



अमृतवाणी

फोकस ऐसा रखो कि आपके और आपके सपनों के बीच में कोई न आ सके।

संयर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606

संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा

रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

मुजफ्फरनगर बुलेटिन

मतदान व्यवस्था निष्पक्ष, ईवीएम हैक-प्रूफ : मुख्य चुनाव आयुक्त



लाख हमने की तस्करी छु लिया आकाश को... कुछ जनों का मन बदलना आज भी मुमकिन नहीं....

सूर्योदय : 7:14 सूर्यास्त:5:37

वर्ष : 52/ अंक : 08 बुधवार, 08 जनवरी 2025 पौष, शुक्ल पक्ष, नवमी सम्वत् 2081 मूल्य 3 रुपये

कुल पृष्ठ-4

'मूर्दे' ही उठकर 'जिंदे' नेताओं को शिकायत करेंगे, शायद तभी बनेगी यह 80 फुट रोड

मुजफ्फरनगर, 7 जनवरी (बु.)। मुजफ्फरनगर शहर की एक 80 फुट चौड़ी ऐसी सड़क जो सालों से वहीं बंकी हुई है...

दिन और दिन में दर्जनों बार यहां फंसे दिखाई देते हैं और चौपटियां वाहन बिना अपने पहिये कोचड में डुबाए यहां से निकल नहीं सकते।



किसी दिन मूर्दा ही उठकर बोलेगा कि नेताजी मैं तो जा रहा हूं, मगर अपने जाने से पहले ये सड़क बनवा देना

मुजफ्फरनगर, 7 जनवरी (बु.)। यह कहना कहीं भी गलत न होगा कि यह सड़क शायद उसी दिन बनेगी, जिस दिन किसी अंतिम यात्रा के पीछे कोई बड़ा नेता राम नाम से आने वाला होगा और तभी अपनी से मुर्दा उठेगा और कहेगा कि श्रीमान रामजीम को छोड़िए इस सड़क का उदार मरने जाने के बाद जरूर करना दीजिएगा।



अल्लाह वालों की भी नहीं सुनते नेता मुजफ्फरनगर, 7 जनवरी (बु.)। हर पांच साल बाक की पैयटल, कमी विधायकी तो कमी सांसदों के नाम पर मुजफ्फरनगर के वोटरों को नोटा देना ही अल्लाह की नसीहत है...

बिजनौर व मुजफ्फरनगर दोनों सांसदों के कोटे में आती है यह सड़क मुजफ्फरनगर, 7 जनवरी (बु.)। सड़क गोल चक्र से सड़की चुंगी जाने वाली यह सड़क दो संसदीय क्षेत्रों का हिस्सा है।

मुस्लिम मतदाताओं के दम पर सांसद बन ही नहीं इस्लाम अमी तक वर्तमान सांसद चंदन चौहान का ध्यान भी इस सड़क पर नहीं है...

बेबाक विक्रम सैनी बोले - कि मौलाना को तो कोई हिन्दू छोरा ही उड़ा देगा, अखिलेश ने कौन सी खतना करा रखी है

मुजफ्फरनगर, 7 जनवरी (बु.)। अपने बेबाक बयानों के लिए पहचाने जाने वाले हरफनमौला पूर्व विधायक विक्रम सैनी जब भी माइक के सामने आते हैं, कुछ न कुछ बेबाक ही बोल जाते हैं।



सनातनियों को है। विक्रम सैनी ने आगे अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि वे कौन सा मुसलमान हैं, उनकी कौन सी खतना हुई है, वे भी हिन्दू ही हैं।

दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए पांच फरवरी को मतदान, परिणाम 8 फरवरी को होगा घोषित

नवी दिल्ली 07 जनवरी (वार्ता) दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में पांच फरवरी को मतदान होगा और परिणाम आठ फरवरी को आएंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से किसी तरह के छेड़छाड़ को न्यूनतम बनाते हुए कहा कि ईवीएम में अथर्व वोट डालने को संभावना नहीं है।

कुल 83 लाख 49 हजार 645 पुरुष और 71 लाख 73 हजार 952 महिला मतदाता शामिल हैं। शर्ट जंजर मतदाताओं की संख्या 1261 है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव की अधिसूचना शुक्रवार को, मतदान 05 फरवरी को नवी दिल्ली। चुनाव आयोग द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को घोषित कार्यक्रम इस प्रकार है:

गन्ना लोडर से बाईक सवार ग्रामीण की दर्दनाक मौत

बुढ़ाना, 07 जनवरी (बु.)। गन्ना लोडर की चपेट में आकर बाईक सवार एक ग्रामीण की दर्दनाक मौत हो गयी। घटना की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया।



मुजफ्फरनगर, 07 जनवरी (बु.)। भाकिरू के कलेक्टर ने संपन्न धरने पर युवा जिलाध्यक्ष टाकूर नरेश पुंडीर ने अपने उग्र तेवरों में हाल ही में बिजौरा गांव में बिजली विभाग के जेई द्वारा अश्रद्धा किए जाने की घटना को दुःखद बताया है।

अफसरों को दी बलकटी से काट देने की धमकी

मुजफ्फरनगर, 07 जनवरी (बु.)। भाकिरू के कलेक्टर ने संपन्न धरने पर युवा जिलाध्यक्ष टाकूर नरेश पुंडीर ने अपने उग्र तेवरों में हाल ही में बिजौरा गांव में बिजली विभाग के जेई द्वारा अश्रद्धा किए जाने की घटना को दुःखद बताया है।



मुजफ्फरनगर, 7 जनवरी (बु.)। मुजफ्फरनगर जिला चिकित्सालय में तीन माह पहले अक्टूबर में डॉक्टर बोके जैन का रिटायरमेंट हो चुका है।



जिला चिकित्सालय में दिल के डॉक्टर नहीं! मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज से सप्ताह में चार दिन के लिए उपलब्ध कराया जाएगा डॉक्टर

मुजफ्फरनगर, 7 जनवरी (बु.)। मुजफ्फरनगर जिला चिकित्सालय में तीन माह पहले अक्टूबर में डॉक्टर बोके जैन का रिटायरमेंट हो चुका है। उसके बाद से यहां दिल का डॉक्टर ही नहीं है।



जवाब अभी नहीं आ पाया है। आंकड़ों की मांगें तो अप्रैल-सितम्बर 2024 तक कुल 11835 मरीजों को जिला चिकित्सालय की ओपीडी में देखा गया मगर अक्टूबर से दिसम्बर के बीच सिर्फ 2376 मरीज ही जिला चिकित्सालय की ओपीडी में देखे गए हैं।



हॉस्पिटल में जाकर अपना महंगा इलाज कराना पड़ रहा है। ऐसे में गरीब व्यक्ति तो उपचार से पहले ही मरता दिखाई देगा, क्योंकि उसकी जेब में भारी भरकम रकम वसूल करने वाले प्राइवेट डॉक्टरों की फीस और उपचार के लिए पैसे ही नहीं होंगे तो वह खुद ही दम तोड़ देगा।



